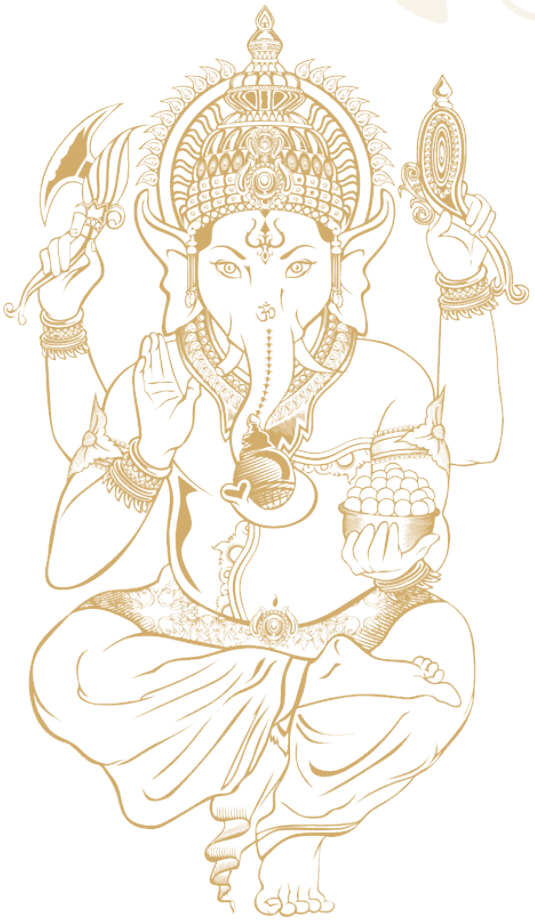

NILAM

29 Aug 1982

10:00 AM

Gohana

Model: web-freekundliweb

Order No: 121524707

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**29/08/1982**
दिन	रविवार
जन्म समय	**10:00:00 घंटे**
इष्ट	10:02:32 घटी
स्थान	**Gohana**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:06:00 उत्तर
रेखांश	76:43:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:36:52 घंटे
वेलान्तर	-00:01:03 घंटे
साम्पातिक काल	08:05:07 घंटे
सूर्योदय	05:58:59 घंटे
सूर्यास्त	18:48:50 घंटे
दिनमान	12:49:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	11:54:30 सिंह
लग्न के अंश	03:41:44 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	प्रीति
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	03:41:44	311:54:10	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	11:54:30	00:57:58	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	12:11:31	11:47:56	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
मंगल			तुला	21:56:36	00:38:16	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
बुध			कन्या	07:42:48	01:14:53	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	उच्च राशि
गुरु			तुला	12:05:12	00:09:17	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	24:25:12	01:13:45	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
शनि			कन्या	25:46:53	00:05:55	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मित्र राशि
राहु			मिथु	18:29:48	00:00:38	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	उच्च राशि
केतु			धनु	18:29:48	00:00:38	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	उच्च राशि
हर्ष			वृश्चि	07:08:04	00:01:01	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
नेप	व		धनु	00:40:45	00:00:15	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
प्लूटो			तुला	01:20:53	00:01:44	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			कर्क	05:31:09	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:37

लग्न-चलित

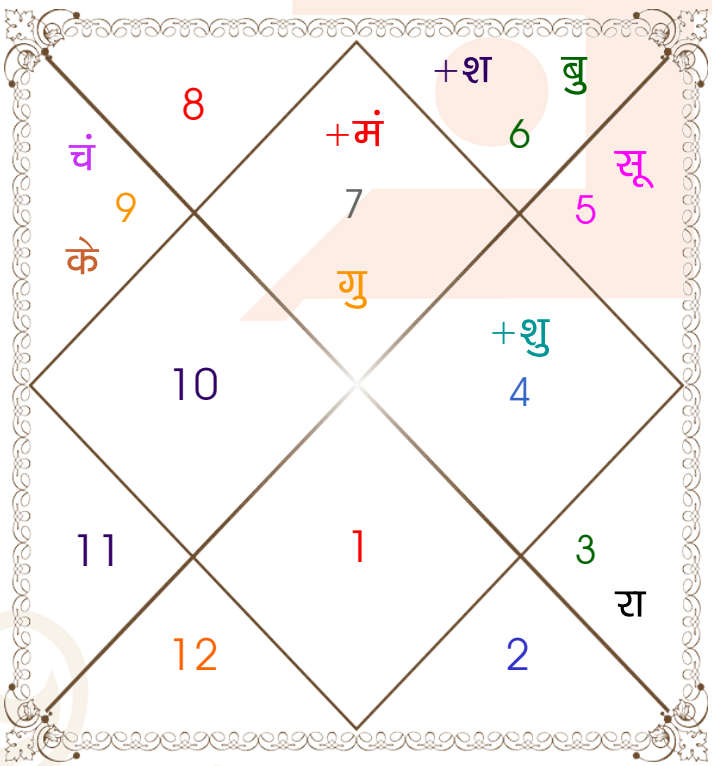

चन्द्र कुंडली

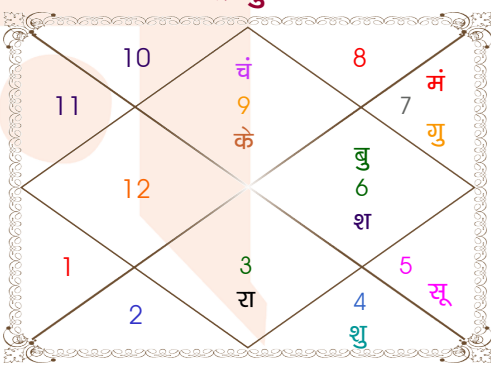

नवमांश कुंडली

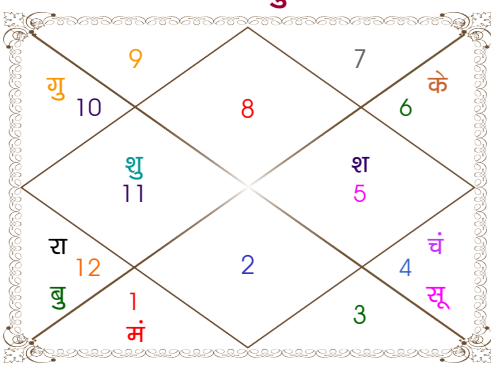

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 7 मास 5 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
29/08/1982		05/04/1983		05/04/2003		04/04/2009		05/04/2019	
05/04/1983		05/04/2003		04/04/2009		05/04/2019		05/04/2026	
	00/00/0000	शुक्र	04/08/1986	सूर्य	23/07/2003	चंद्र	03/02/2010	मंगल	01/09/2019
	00/00/0000	सूर्य	05/08/1987	चंद्र	22/01/2004	मंगल	04/09/2010	राहु	18/09/2020
	00/00/0000	चंद्र	04/04/1989	मंगल	29/05/2004	राहु	05/03/2012	गुरु	25/08/2021
	00/00/0000	मंगल	04/06/1990	राहु	23/04/2005	गुरु	05/07/2013	शनि	04/10/2022
	00/00/0000	राहु	04/06/1993	गुरु	09/02/2006	शनि	03/02/2015	बुध	01/10/2023
	00/00/0000	गुरु	03/02/1996	शनि	22/01/2007	बुध	04/07/2016	केतु	27/02/2024
	00/00/0000	शनि	05/04/1999	बुध	28/11/2007	केतु	02/02/2017	शुक्र	29/04/2025
	29/08/1982	बुध	03/02/2002	केतु	04/04/2008	शुक्र	04/10/2018	सूर्य	03/09/2025
बुध	05/04/1983	केतु	05/04/2003	शुक्र	04/04/2009	सूर्य	05/04/2019	चंद्र	05/04/2026

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
05/04/2026		04/04/2044		04/04/2060		05/04/2079		04/04/2096	
04/04/2044		04/04/2060		05/04/2079		04/04/2096		30/08/2102	
राहु	16/12/2028	गुरु	23/05/2046	शनि	08/04/2063	बुध	31/08/2081	केतु	31/08/2096
गुरु	11/05/2031	शनि	04/12/2048	बुध	16/12/2065	केतु	29/08/2082	शुक्र	31/10/2097
शनि	17/03/2034	बुध	11/03/2051	केतु	25/01/2067	शुक्र	28/06/2085	सूर्य	08/03/2098
बुध	04/10/2036	केतु	15/02/2052	शुक्र	26/03/2070	सूर्य	05/05/2086	चंद्र	07/10/2098
केतु	22/10/2037	शुक्र	16/10/2054	सूर्य	08/03/2071	चंद्र	04/10/2087	मंगल	05/03/2099
शुक्र	22/10/2040	सूर्य	05/08/2055	चंद्र	07/10/2072	मंगल	01/10/2088	राहु	24/03/2100
सूर्य	16/09/2041	चंद्र	04/12/2056	मंगल	15/11/2073	राहु	20/04/2091	गुरु	28/02/2101
चंद्र	17/03/2043	मंगल	09/11/2057	राहु	21/09/2076	गुरु	26/07/2093	शनि	09/04/2102
मंगल	04/04/2044	राहु	04/04/2060	गुरु	05/04/2079	शनि	04/04/2096	बुध	30/08/2102

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 7 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।